विचार बिन्दु

अपमान का डर कानून के डर से किसी तरह कम क्रियाशील नहीं होता। –प्रेमचंद

अमेरिका का तिलस्म टूटा : ट्रम्प की नीतियों का यूरोप और भारत पर असर

भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जब अमेरिका के राष्ट्रपति से मुलाकात की थी उसके बाद अमेरिका की विदेश नीति और घरेलू नीति में काफी परिवर्तन देखने को मिल रहा है। आक्रामक डोनाल्ड ट्रंप से पहले फ्रांस के राष्ट्रपति फिर ब्रिटेन के प्रधानमंत्री और अंत में यूक्रेन के राष्ट्रपति ने मुलाकात की थी। पूर्व के दोनों राष्ट्राध्यक्षों के साथ भी ट्रम्प का रवैया सम्मानजनक नही था। लेकिन इन दोनों राष्ट्राध्यक्षों ने कूटनीतिक समझदारी दिखाई और बात का बतंगड़ नहीं बनने दिया। ट्रम्प का ब्रिटिश प्रधानमंत्री से यह कहना कि क्या ब्रिटेन अकेला रूस का मुकाबला कर सकता है? इस का उचित और करारा जवाब युक्रेन के राष्ट्रपति ने दिया था। उन्होंने कहा, अगर अमेरिका को युक्रेन जैसी परिस्थिति का सामना करना पड़े तो पता चलेगा। अमेरिका के राष्ट्रपति भवन में उनके आफिस ओवल हाऊस में आज तक कभी किसी ने अमेरिका के राष्ट्रपति को इस तरह मुंहतोड़ जवाब नहीं दिया था।

सबसे पहले कनाडा और सबसे बाद में यूक्रेन के राष्ट्रपतियों की मुलाकात के बाद अमेरिका के राष्ट्रपति का जो रुतबा बुलंद हुआ करता था वह धूमिल पड़ गया। यूक्रेन के राष्ट्रपति को जिस अंदाज में डोनाल्ड ट्रंप ने डील किया वह यूक्रेन के जनता को अच्छा नहीं लगा। कनाडा में हाल ही वहां के प्रधानमंत्री और उनकी पार्टी को केवल मात्र 12% लोगों का समर्थन हासिल रह गया था। लेकिन कनाडा को अमेरिका का 51वां राज्य बनाने को और कनाडा के प्रधानमंत्री को उसका गवर्नर कहना अमेरिका को भारी पड़ा। कनाडा ने भी टेरिफ युद्ध में बिगुल बजा ही दिया साथ ही कनाडा की जनता को भी बुरा लगा और सहानुभूति कि लहर कनाडा के प्रधानमंत्री के पक्ष में चल पड़ी और आज वे 38 प्रतिशत समर्थन के साथ सबसे आगे हैं। ध्यान रहे कनाडा में तीन माह बाद आम चुनाव होने वाली हैं। फिर सबसे सनसनीखेज मुलाकात रही युक्रेन के राष्ट्रपति ज़ेलेंस्की के और डोनाल्ड ट्रम्प के बीच। जब अमेरिका राष्ट्रपति और उपराष्ट्रपति ने युक्रेन के राष्ट्रपति को धमकाने का प्रयास किया तो ज़ेलेंस्की के ऐसे उत्तर की अमेरिकी सत्ताधारियों को उम्मीद नहीं थी।

ज़ेलेंस्की ने जवाबी हमला करते हुए कहा, जब रूस ने यूक्रेन पर हमला किया, तब कई लोगों ने सोचा था कि यह युद्ध कुछ ही दिनों में खत्म हो जाएगा। खुद व्लादिमीर पुतिन ने दावा किया था कि तीन दिनों में यूक्रेन घुटने टेक देगा। लेकिन इतिहास गवाह है कि कुछ नेता सिर्फ सत्ता के लिए नहीं, बल्कि अपने देश और जनता के सम्मान के लिए लड़ते हैं।

स्पष्ट है कि वोलोडिमिर ज़ेलेंस्की ने न सिर्फ यूक्रेन की रक्षा की, बल्कि पूरी दुनिया को दिखा दिया कि साहस, संकल्प और नेतृत्व क्या होता है। युद्ध के शुरुआती दिनों में जब अमेरिका ने उन्हें सुरक्षित निकालने की पेशकश की, तो उनका जवाब था– 'मुझे सवारी नहीं, हथियार चाहिए।'

अब जब डोनाल्ड ट्रंप यह कहते हैं कि अमेरिका के बिना यूक्रेन दो हफ्तों में खत्म हो जाता, तो ज़ेलेंस्की उसी दृढ़ता से जवाब देते हैं– 'पुतिन ने भी कहा था तीन दिन में खत्म हो जाएगा।'

यह जवाब सिर्फ शब्दों का खेल नहीं, बल्कि ज़ेलेंस्की के अडिग इरादों की गूंज है। उसने हर चुनौती का सामना किया, अपने देशवासियों का मनोबल बनाए रखा और दुनिया के बड़े–बड़े नेताओं को कूटनीति का पाठ पढ़ाया। इतिहास जब भी निडर नेताओं की गाथा लिखेगा, वोलोडिमिर ज़ेलेंस्की का नाम स्वर्ण अक्षरों में लिखा जाएगा। हो सकता है इससे जैलेंस्की और युक्रेन को नुक़सान हो लेकिन इसके आड़ में आप ज़ेलेंस्की की हिम्मत को नजरंदाज नहीं कर सकते। भले ही कुछ भी हो लेकिन देश के सामने हीरो बन गए हैं।

दुनिया भर के नेता जेलेंस्की के पक्ष में इसीलिए बोल रहे हैं कि वे ऐसा जवाब अमेरिका के राष्ट्रपति को नहीं दे सकते थे।

अमेरिका की सहायता के अभाव में रूस यूक्रेन पर ओर अधिक आक्रामक होगा तब यूरोपीय संघ सीधे रूस से उलझ सकता और अमेरिका को अपने कदम पीछे खींचने पड़/ जाएं। अब भी भले ही यूक्रेन के मामले में रूस की बढ़त दिखाई पड़ती हो लेकिन रूसी अर्थ व्यवस्था पर इसका बहुत बुरा असर हुआ है।

आज ताजा स्थिति ये है जब अमेरिका युक्रेन को सहायता देने को लेकर आनाकानी दिखाई है तो यूरोपीय संघ पूरी दृढ़ता और शक्ति के साथ युक्रेन के पक्ष में खड़ा ही नही हुआ अपितु रिकॉर्ड करोड़ो डॉलर की सहायता और पर्याप्त हथियारों की सप्लाई का भी ऐलान कर दिया। यूरोपीय संघ ने कुटनितिक चतुराई दिखाते हुए अमेरिकी से भी यह सहायता जारी रखने की अपील की है। हालांकि अमेरिका की ओर से नाटो को आर्थिक सहायता बन्द करने के ऐलान से नाटो के अस्तित्व पर संकट खड़ा हो गया है। यूरोपीय यूनियन इस बात को समझ रही है इस लिए वे वैकल्पिक मार्ग की तलाश में आगे निकलकर सामने आ गये हैं।

भारत के लिए यूरोपीय यूनियन और अमेरिका के बीच रास्ता चुनना बहुत सावधानी भर काम होगा। यद्यपि दिखाने के लिए अमेरिका रूस के साथ अपनी मित्रता के लिए हाथ बढ़ा रहा है और चीन से भी आर्थिक मोर्चे पर टक्कर लेते हुए भी दोस्ती का हाथ बढ़ा रहा है लेकिन अमेरिका यह अच्छी तरह जानता है कि रूस और चीन के साथ उसके संबंध स्वाभाविक नहीं हो सकते हैं। भारत ने इसी बात को ध्यान में रखते हुए रूस के साथ जब कच्चा तेल खरीदना शुरू किया था तब से ही अमेरिका को आर्थिक रूप से भारी नुकसान हुआ है प्रधानमंत्री मोदी की हाल ही की अमेरिकी यात्रा में अमेरिका ने भारत पर परोक्ष रूप में यह दबाव भी बनाया है कि वह रूस के स्थान पर अमेरिका से महंगा तेल खरीदें और खराब घोषित हथियार खरीदे जो कि भारत के हित में नहीं होगा। भारत भले ही आज गुटनिरपेक्षक्ष आंदोलन का नेता ना हो और गुटनिरपेक्ष आंदोलन वैसे भी अब मृतप्राय हो चुका है लेकिन चतुराई के साथ इस परिस्थिति में भारत को एक तरह से तटस्थ रहकर अपने राष्ट्रीय हितों की पूर्ति करनी होगी। जाहिर सी बात है कि जो तेल आपूर्ति सोवियत रूस के साथ बहुत आसानी से हो पा रही है वह हमारे राष्ट्रीय हित में है। चीन के साथ हमारा यद्यपि व्यापारिक रिश्ता है लेकिन सीमा तनाव के कारण हम नहीं जानते कि यह रिश्ता कितना कामयाब बना रहेगा। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारत पर अधिक कर लगाने की घोषणा करके या एक प्रकार से धमकी देकर भारत अमेरिकी व्यापार को नुकसान पहुंचाने का संकेत किया है यदि अमेरिका भारतीय वस्तुओं पर अधिक मात्रा में कर लगाने की घोषणा करेगा तो भारत को विकल्प के रास्ते चुनने पड़ेंगे। यूक्रेन के साथ अमेरिका का समर्थन उसकी नैतिक जिम्मेदारी ही नहीं बल्कि अनिवार्यता भी है यूक्रेन के मंहगे खनिजों से भरे भूभाग और उनके मैटेरियल्स पर अपना अधिकार जमाने की अमेरिका की कोशिश एक प्रकार से उसके विस्तारवाद का ही संकेत कर रही है। कल्पना कीजिए जैसा दबाव बनाकर अमेरिका से डील करना चाहता है। भारतीय मध्यस्थता से वैसा ही समझौता युक्रेन रूस से कर बैठे तो अमेरिका की क्या हालत होगी। डोनाल्ड ट्रम्प ने अपने दूसरे कार्यकाल में अल्प समय में ही विश्व को गहरी चुनौतियों में उलझा दिया है। क्या इससे पहले अमेरिका ने जिन देशों को सैनिक सहायता दी है उनसे भी इसी प्रकार की चौथ वसूली की है अफगानिस्तान, ईरान इराक युद्ध, वियतनाम और न जाने कितने युद्ध अमेरिका ने लड़े हैं दूर धरती पर जाकर। क्या उन देशों से भी यूक्रेन जैसी ही चौथ वसूली की गई है जाहिर है नहीं, अमेरिका केवल विश्व में अपनी चौधराहट बनाए रखने के लिए इस प्रकार सौदेबाजी कर रहा है। लेकिन अब माहौल बदल रहा है ऐसा न हो कि अगेन ठोट अमेरिका का सपना ट्रम्प के इसी कार्यक्रम में ध्वस्त हो जाए। विश्वमंच पर अपनी साख खोता ट्रम्प अपने कर्मचारियों की आक्रामक छंटनी से देश के भीतर भी अपनी विश्वसनीयता को दांव पर लगा बैठे हैं। अमेरिका ने जिस तरह से अवैध भारतीय प्रवासियों को निकाला वह भी एक प्रकार से अपमान और धमकी भरा रवैया ही था। हालांकि भारत ने अपना धैर्य नही खोया यद्यपि भारत की जनता को यह अच्छा नहीं लगा। आने वाले समय में भारत, अमेरिका, चीन और रूस के माध्यम से विश्व समुदाय का ध्रुवीकरण सुनिश्चित है। इसमें यूरोपीय संघ की भूमिका भी अत्यन्त महत्वपूर्ण होने जा रही है। कोई आश्चर्य नहीं होगा यदि यूक्रेन के बहाने विश्व नए सिरे से तनाव से ग्रस्त हो जाए। अमेरिका की सहायता के अभाव में रूस यूक्रेन पर ओर अधिक आक्रामक होगा तब यूरोपीय संघ सीधे रूस से उलझ सकता और अमेरिका को अपने कदम पीछे खींचने पड़/ जाएं। अब भी भले ही यूक्रेन के मामले में रूस की बढ़त दिखाई पड़ती हो लेकिन रूसी अर्थ व्यवस्था पर इसका बहुत बुरा असर हुआ है। आप इसी बात से अन्दाज लगा सकते हैं कि जब रूस का यूक्रेन से युद्ध आरम्भ हुआ था जब रूबल की कीमत एक रूपए तीस पैसे थी जो अब घटकर मात्र अस्सी पैसे रह गई है। इसीलिए रूस भारत से इस मसले पर सार्थक और सम्मानजनक समझौते की उम्मीद रखें हुए है।

–राजेन्द्र मोहन शर्मा,
अतिथि संपादक
साहित्यकार, शिक्षाविद एवं चिन्तक

13 करोड़ 71 लाख का सबसे बड़ा मायरा मेड़ता में भरा

मायरे में 1 करोड़ 31 लाख नगद, एक ट्रैक्टर, एक बोलेरो, बेशकीमती प्लॉट सहित सवा किलो सोना तथा पांच किलो चांदी देकर बहन के मायरा भरा

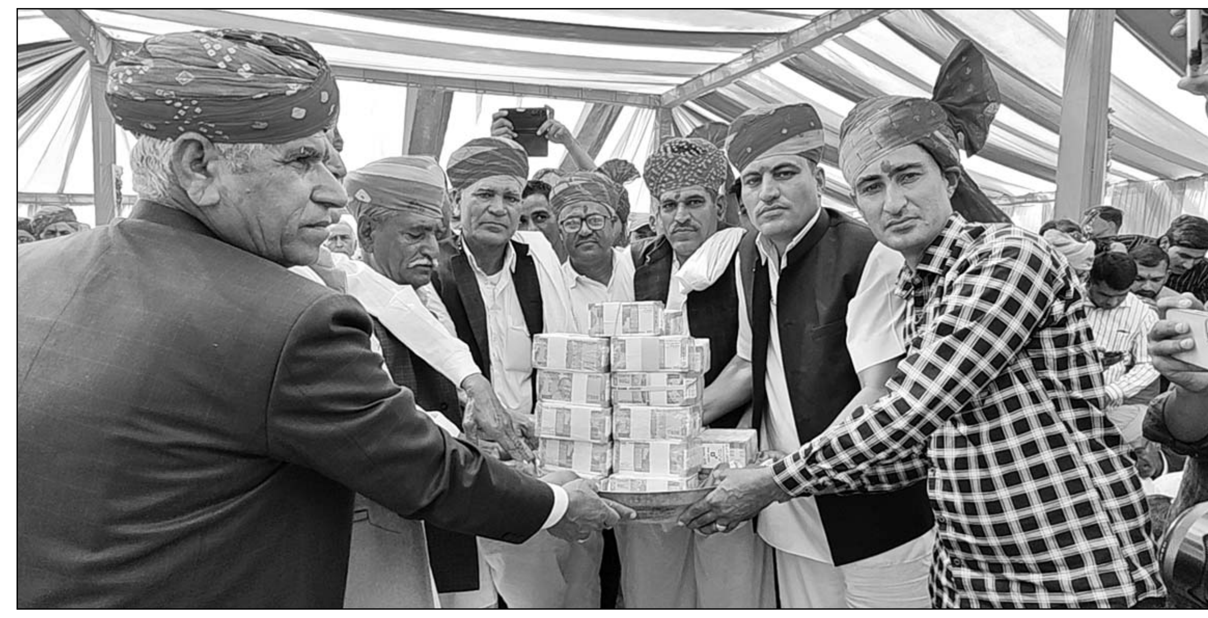

नागौर में सबसे बड़े मायरे की रस्म अदा करते परिवार के लोग।

मेड़ता सिटी, (निसं)। नागौर के मेड़ता के समीपवर्ती ग्राम बेदावड़ी निवासी रामलाल, तुलसा राम फिड़ौदा ने अपनी बेटी संतोष देवी पत्नी राजूराम बेड़ा निवासी शेखासनी गांव में 13 करोड़ 71 लाख का मायरा भरकर इतिहास में नाम दर्ज कराया। नागौर जिले में पहला सबसे बड़ा मायरा भरा गया।

■ **ग्राम बेदावड़ी निवासी रामलाल, तुलसा राम फिड़ौदा ने अपनी बेटी संतोष देवी निवासी शेखासनी गांव में मायरा भरा**

गौरतलब है कि राजस्थान में एक भाई और बहन के अटूट प्रेम का रिश्ता है, जिसमें भाई बहन के मायरा भरकर उस फर्ज को निभाने का प्रयास करता है। 13 करोड़ 71 लाख का मायरा भरने के बाद पूरे राजस्थान में चर्चा है। मायरे में 1 करोड़ 31 लाख नगद, एक ट्रैक्टर, एक बोलेरो, बेशकीमती प्लॉट सहित सवा किलो सोना तथा पांच किलो चांदी देकर बहन के मायरा भरा। इस मायरे की पूरे राजस्थान सहित भारत में चर्चा का विषय बना हुआ है। इस मौके पर रामाकिशन जिन्झा, बाबू लाल खदाव, पूर्व विधायक सुखराम नेतड़िया, पूर्व प्रधान कैलाश मंडा, युवा नेता मोहन महेरिया, नंदाराम महेरिया, हड़मान भादू कलरू सहित कई गणमान्य नागरिक मौजूद थे।

झील किनारे आर्मी की फेसिंग में फंसा लेपर्ड, बेहोश कर रेस्क्यू किया

मॉर्निंग वॉक करने निकले लोगों ने लेपर्ड को देख वन विभाग को सूचना दी

उदयपुर, (कासं)। शहर में पिछोला झील किनारे बुधवार सुबह आर्मी कैंपस से सटे जलबुर्झ मार्ग पर लेपर्ड आर्मी की फेसिंग के तारों में फंस गया। मॉर्निंग वॉक करने निकले लोगों ने लेपर्ड को देखकर वन विभाग को सूचना दी। टीम ने सबसे पहले मुख्य रास्ता बंद किया। इसके बाद रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू कर लेपर्ड को बेहोश किया।

■ **टीम ने मुख्य रास्ता बंद कर रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू कर लेपर्ड को बेहोश किया**

शहर में माछला मगरा के जंगल और पिछोला झील के बीच से दूधतलाई से सीसारमा जाने वाले जलबुर्झ रास्ते पर बुधवार सुबह लेपर्ड देखा गया था। सुबह करीब आठ बजे वन विभाग के स्टाफ को आर्मी की तरफ से सूचना मिली कि लेपर्ड फेसिंग के तारों में फंस गया है। इस पर डीएफओ मुकेश सैनी को सूचना दी गई। सबसे पहले सवा आठ बजे स्थानीय स्टाफ फोरेस्टर प्रदीप सिंह पहुंचे।उदयपुर दक्षिण के डीएफओ मुकेश सैनी और रेंजर धीरेंद्र सिंह भी मौके पर पहुंचे। इस बीच बुलाई गई रेस्क्यू टीम भी पहुंच गई। वहां देखा गया कि माछला मगरा की पहाड़ी इलाके में पावड़ा घाटी के नीचे जाते समय करीब 50 मीटर के पास ही पुलिया के वहां पर एकलिंगगढ़ आर्मी कैंपस की तारों की फेसिंग में एक लेपर्ड फंसा हुआ था। लेपर्ड ने तारों से निकलने का काफी प्रयास किया लेकिन वह नहीं निकल सका।

डीएफओ मुकेश सैनी ने रेस्क्यू कर लेपर्ड को सुरक्षित निकालने की प्रक्रिया शुरू कराई। इसके बाद रेस्क्यू टीम ने सुबह करीब 9:30 बजे लेपर्ड को बेहोश किया। इसके बाद उसे वहां से चिकित्सकों के पास लेकर गए। वनकर्मियों का कहना है कि लेपर्ड यहां कैसे फंसा इसको लेकर अलग–अलग बात आ रही है। बताते हैं कि लेपर्ड ने जंप लगाया तब वह तारों में फंस गया।

यह माछला मगरा वन खंड क्षेत्र है जहां लेपर्ड का मूवमेंट रहता है और लेपर्ड अपनी प्यास बुझाने पिछोला झील में आता.जाता रहता है। इसके अलावा आगे भी जंगली इलाका ही है। वन विभाग ने लेपर्ड की सूचना मिलने के बाद गोवर्धन विलास वन नाका और नाई वन क्षेत्र में से भी स्टाफ को मौके पर बुलाया। असल में इस इलाके में सुबह शहरवासी मॉर्निंग वॉक करने आते हैं। लोगों की आवाजाही को देखते हुए यहां भीड़ जमा नहीं हो इसके लिए सबसे पहले दूधतलाई से सीसारमा वाले इस रास्ते को बंद किया।

विश्व की सबसे छोटी सोने-चांदी की किताब बनाई

उदयपुर, (का.सं.)। उदयपुर के स्वर्ण शिल्पकार 100 विश्व रिकॉर्ड होल्डर डॉ. इकबाल सक्का ने रमजान के मुबारक मौके पर विश्व की सबसे छोटी सोने–चांदी की किताब बनाकर राष्ट्रीय एकता का संदेश दिया है। डॉक्टर इकबाल सक्का ने सोने–चांदी की किताब में अरबी में अल्लाह लिखा है संस्कृत में ओम लिखा हुआ है, सिख धर्म का खंडा बनाया, साथ में ईसाई धर्म का सलीब क्रॉस भी बनाया। इस सोने– चांदी की किताब में 64–64 पृष्ठ है, 6 गुना 4 मिलीमीटर की इस किताब में अल्लाह, ओम, खंडा व सलीब क्रॉस को लेंस की सहायता से ही देखा व पढ़ा जा सकता है। विश्व की सबसे छोटी सोने–चांदी की किताब का वजन मात्र 500, 500 मिलीग्राम है। सोने–चांदी की इस किताब के हर एक पन्ने को सुई की नोक से खोलकर पढ़ा जा सकता है। इसको बनाने में 15 दिन का समय लगा है।

कोटा में 988 किलोग्राम गुलाब जामुन सीज किया

कोटा में खाद्य सुरक्षा विभाग की टीम ने नमूने लिये।

कोटा, (निसं)। कोटा में 988 किलोग्राम गुलाब जामुन सीज करने की कार्रवाई की गई। साथ ही विभिन्न खाद्य पदार्थों के 19 नमूने लिये गये है।

■ **विभिन्न डेयरी व किराना वालों का निरीक्षण करते हुए विभिन्न खाद्य पदार्थो के नमूने लिए**

प्रशासन द्वारा चलाए जा रहे कामयाब कोटा व राज्य में चलाए जा रहे "शुद्ध आहार मिलावट पर वार" होली स्पेशल अभियान के अंतर्गत प्रमुख शासन सचिव मेडिकल एंड हेल्थ गायत्री राठौर, आयुक्त खाद्य सुरक्षा एवं औषधि नियंत्रण एच. गुइटे के मार्गदर्शन व जिला कलेक्टर डॉ. रविन्द्र गोस्वामी कोटा के निर्देशन में एवं अभिहित अधिकारी एवं मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. नरेंद्र नगर के नेतृत्व में खाद सुरक्षा दल द्वारा मिल रही सूचनाओं के आधार सुरक्षा दल द्वारा गुमानपुरा क्षेत्र से एक प्रतिष्ठान गुलाब जामुन (सुपर परिराज) को लेबल पर इंग्रेडिएंट्स में मीडिया डिक्लेयर नही होने के कारण शक के आधार पर 18 किलो के टिन को खुलवाकर नमूना लेकर शेष 54 टिन 18 किलोग्राम व 1 टिन 16 किलोग्राम को सीज किया गया। गुलाब जामुन के पीपों पर जो लेबल डिक्लेरेशन दिया गया था उसमें यह किस मीडिया में बनाया गया है, इसका विवरण अंकित नहीं था। यहां से एक नमूना लेकर 988 किलो गुलाबजामुन सीज किये। इसी के साथ कोटा में विभिन्न डेयरी व किराना वालों का निरीक्षण करते हुए विभिन्न खाद्य पदार्थों के 18 नमूने लिए। कुल 19 नमूनों को खाद्य प्रयोगशाला कोटा भिजवाया गया, जहां से प्राप्त रिपोर्ट के आधार पर नियमानुसार कार्रवाई की जायेगी। इस कार्यवाही में अधिकारी संदीप अग्रवाल, खाद्य सुरक्षा अधिकारी अरुण सक्सेना, खाद्य सुरक्षा अधिकारी चंद्रवीर सिंह जादौन, खाद्य सुरक्षा अधिकारी मोजी लाल कुम्भकार एवं सहायक चेतराम समिलित रहे।

उदयपुर नगर निगम ने 25 दुकानों सहित अपार्टमेंट सीज किया

उदयपुर नगर निगम ने नगरीय विकास कर को लेकर कार्रवाई की।

उदयपुर, (का.सं.)। उदयपुर नगर निगम ने बुधवार सुबह नगरीय विकास कर को लेकर कार्रवाई करते हुए एक अपार्टमेंट को सीज किया। व्यवसायिक गतिविधियों वाली इस संपत्ति पर करीब नौ लाख रुपए का टैक्स बकाया था।

■ **व्यवसायिक गतिविधियों वाली इस संपत्ति पर करीब नौ लाख रुपए का टैक्स बकाया था**

नगर निगम आयुक्त रामप्रकाश की लगातार सख्ती के चलते बुधवार को शहर के प्रतापनगर क्षेत्र में 25 दूकानों सहित पूरा अपार्टमेंट ही सीज कर दिया। निगम ने इस अपार्टमेंट में आवासीय परिसर को भी सीज किया है। प्रतापनगर–भुवाणा बाइपास पर स्थित कहन अपार्टमेंट का नगर निगम में 8 लाख 92 हजार 52 रूपए नगरीय विकास कर के रूप में बकाया है। अपार्टमेंट के मालिक को निगम ने नोटिस दिया उसके बावजूद निगम की हिदायत को नजर अंदाज किया गया। बुधवार को निगम की टीम ने इस पूरे अपार्टमेंट को ही सीज कर अपने कब्जे में ले लिया। इसमें 25 दुकानें भी शामिल है। अपार्टमेंट में आवासीय परिसर को भी सीज किया है। कहन अपार्टमेंट में बार एंड रेस्टोरेंट, कार्गो मूवर्स, भोजनालय, ऑयल सप्लायर, ट्रांसपोर्ट सर्विस, बेट्री सर्विस सेंटर और इंजीनियरिंग वर्क्स सहित करीब 25 दुकानें संचालित हो रही है। इनके संचालक सुबह दुकान खोलने कहन अपार्टमेंट आते उससे पहले ही दुकानों पर नगर निगम की सील लग चुकी थी।

राशिफल

पंडित अनिल शर्मा

गुरूवार 6 मार्च, 2025

फाल्गुन मास, शुक्ल पक्ष, सप्तमी तिथि, गुरूवार, विक्रम संवत 2081, रोहिणी नक्षत्र रात्रि 12:06 तक, विष्कुम्भ योग रात्रि 3:29 तक, वणिज करण दिन 10:51 तक, चन्द्रमा वृष राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थितिः सूर्य–कुम्भ, चन्द्रमा–वृष, मंगल–मिथुन, बुध–मीन, गुरू–वृष, शुक्र–मीन, शनि–कुम्भ, राहु–मीन, केतु–कन्या राशि में।

आज भद्रा दिन 10:51 से रात्रि 10:05 तक है। आज रोहिणी व्रत है।

श्रेष्ठ चौघड़ियाः शुभ सूर्योदय से 8:17 तक, चर 11:11 से 12:38 तक, लाभ–अमृत 12:38 से 3:32 तक, शुभ 5:00 से सूर्यास्त तक।

राहूकालः 1:30 से 3:00 तक। सूर्योदय 6:50, सूर्यास्त 6:27

मेष
आर्थिक कारणों से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। महत्वपूर्ण कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। अटका हुआ धन प्राप्त हो सकता है। व्यावसायिक कार्यों में प्रगति होगी।

वृष
व्यावसायिक कार्यों में व्यस्तता बनी रहेगी। नौकरीपेशा व्यक्तियों को महत्वपूर्ण जिम्मेदारी मिल सकती है। आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा।

मिथुन
घर/परिवार के कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। परिवार में अतिथियों का आगमन रहेगा। अतिथियों के आगमन से दिनचर्या अस्त–व्यस्त हो सकती है। स्वभाव की तेजी पर नियंत्रण रखें।

कर्क
आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। अटका हुआ धन प्राप्त हो सकता है। व्यावसायिक कार्यों से संबंधित यात्रा संभव है।

सिंह
व्यावसायिक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। व्यावसायिक कार्यों में आ रही अड़चनें दूर होने लगेंगी। नवीन कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा।

कन्या
नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। धार्मिक स्थान की यात्रा संभव है। व्यावसायिक संपर्क बनेंगे। व्यावसायिक वार्ता सफल रहेगी।

तुला
चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। शुभ कार्यों में व्यवधान सामने आ सकते हैं। व्यावसायिक परेशानियां अभी यथावत बनी रहेगी। आज आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है।

वृश्चिक
परिवार में आपसी सहयोग–समन्वय बना रहेगा। परिवार में शुभ–मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। परिजनों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है।

धनु
स्वास्थ्य संबंधित चिन्ता दूर होगी। अस्त–व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा। विवादित मामलों से राहत मिलेगी। अनहोनी की आशंका से बना हुआ मन का भय समाप्त होगा।

मकर
व्यावसायिक प्रयासों में उचित सफलता मिलेगी। व्यावसायिक वार्ता सफल रहेगी। नवीन कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा। परिवार में सुख–शांति बनी रहेगी।

कुंभ
घर–परिवार में धार्मिक–सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं। अतिथियों के आगमन से उत्सव जैसा माहौल रहेगा। व्यावसायिक योजना का क्रियान्वयन होगा।

मीन
परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। परिजनों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। व्यावसायिक वार्ता सफल रहेगी।